शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग
नैक से 'बी' (2.90) ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय
कैम्पस न्यूज
वर्ष - 3 वर्ष -2020 अंक - 5

"आदि शिल्प" राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

महाविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 'आदि शिल्प' का शुभारंभ हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा के द्वारा हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं कला समीक्षक डॉ. उदयन बाजपेयी भी उपस्थित थे। मशहूर चित्रकार सैयद हैदर रजा के जन्मोत्सव पर रजा फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा देश के चार शहरों में कला-संस्कृति को प्रोत्साहित करने विभिन्न आयोजन किए जा रहे है।

दुर्ग में कन्या महाविद्यालय में 'आदि शिल्प' कार्यशाला में देश के प्रसिद्ध कलाकार अपनी कलाकृतियों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहन के साथ-साथ प्रशिक्षण भी देंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि रजा फाउंडेशन और महाविद्यालय द्वारा युवा कलाकारों को प्रोत्साहित करने एवं विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने मंच उपलब्ध कराया जाता है जिससे चित्रकारी, मिट्टी के समान बनाने का मौका मिलेगा वहीं हम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत जोड़ीदार राज्य गुजरात की कलाकृतियाँ बनाने एवं वहाँ की संस्कृति से परिचित हो सकेंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा ने कहा कि महाविद्यालयों में रचनात्मक कलाओं से संबंधित पाठ्यक्रमों की महती आवश्यकता है। चित्रकला, संगीत और नृत्य के पाठ्यक्रम न केवल रोजगारोपयोगी है बल्कि इससे हमारे विद्यार्थी अपनी संस्कृति और सभ्यता से परिचित होते है। उन्होनें कहा कि वही व्यक्ति सफल होता है जो समय के अनुसार अपने कौशल को अपडेट करता है। महाविद्यालय के रचनात्मक एवं सृजनात्मक आयोजनों की प्रसंशा करते हुए कहा कि हर महाविद्यालय में इस तरह के पाठ्यक्र म संचालित होने चाहिये।

भोपाल के वरिष्ठ साहित्यकार एवं कला समीक्षक डॉ. उदयन बाजपेयी ने अपने उदबोधन में कहा कि रजा फाउंडेशन द्वारा पूरे देश में युवाओं के बीच जनजातीय कला को लेकर विभिन्न आयोजन किये जा रहे है जिनका उद्देश्य हमारी नई पीढ़ी को इससे परिचित कराना है। उन्होनें बताया कि हमारे ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है हम उनसे परिचित नहीं हो पाते है। महाविद्यालय के माध्यम से इस तरह के आयोजन ग्रामीण कला को प्रोत्साहित करते है। उन्होनें सृजनात्मक एवं रचनात्मक कलाओं से युवा पीढ़ी को सीखने एवं प्रोत्साहित होने के लिये भरपूर प्रयास करने पर जोर दिया। कार्यशाला के संयोजक एवं चित्रकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने तीन दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा बताते हुए आमंत्रित कलाकारों का परिचय दिया।

सम्पादक : डॉ. ऋचा ठाकुर एवं डॉ. यशेश्वरी ध्रुव
आई.क्यू.ए.सी. का न्यूजलेटर

अपनी बात

जिले में उच्च शिक्षा का विकास काफी तीव्र गति से हुआ है। शासकीय एवं निजी शैक्षणिक संस्थाएँ भी गुणवत्ता के मापदंड में खरा उतरी है। जिले में कन्या शिक्षा के क्षेत्र में शास.डा.वा.वा. पाटणकर कन्या महाविद्यालय ने भी नित नये आयाम गढ़े है। कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं गृहविज्ञान संकायों के इस सत्र के परीक्षा परिणाम ने यह साबित किया है कि इस संस्था ने अपने दायित्वबोध को सर्वोपरि रखा है।

महाविद्यालय में लॉकडाऊन अवधि में अपने विद्यार्थियों के लिये अनेकों अकादमिक आयोजन ऑनलाईन प्लेटफॉर्म पर किये है। महाविद्यालय के मेडिकल सेन्टर एवं यूथ रेडक्रॉस इकाई के तत्वाधान में छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर सेमीनार एवं ऑनलाईन काउंसिलिंग का आयोजन निरंतर किया गया। सेमेस्टर के विद्यार्थियों के अपूर्ण पाठ्यक्रम को ऑनलाईन अध्यापन व्यवस्था के अंतर्गत पूर्ण किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने पाठ्यक्रम के अनुरूप व्याख्यानों के विडियो लेक्चर तैयार कर महाविद्यालय की वेबसाईट में उपलब्ध कराए गए। महाविद्यालय का यह प्रयास रहा है कि लॉकडाऊन अवधि में हमारी छात्रायें अपने स्वास्थ्य एवं कॅरियर के प्रति सजग एवं सतर्क रहें।

छात्राओं के लिये विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन भी ऑनलाईन प्लेटफॉर्म पर किया गया जिसमें छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। इस सत्र के घोषित विभिन्न कक्षाओं के परीक्षा-परिणामों में भी छात्राओं ने हमेशा की तरह उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया है। जिसके लिये वे एवं महाविद्यालय के शिक्षक बधाई के पात्र है। महाविद्यालय के प्राध्यापकों को शोधपत्र एवं पुस्तक लेखन में विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है जो गर्व की बात है।

टेलेन्ट शो स्पर्धा आयोजित

महाविद्यालर्य में टेलेन्ट शो स्पर्धा का ऑनलाईन प्लेटफॉर्म में आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न स्थानों से 65 प्रतिभागियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

स्पर्धा की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की कौशल कला एवं आत्मनिर्भरता के अवसर तथा उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करना था। इस प्रतियोगिता में पुरानी सामग्रियों को बेहतर प्रयोग कर नया लुक व उपयोगिता प्रदान की गयी।

इसमें तीन केटेगरी रखी गयी थी जिसमें पुरानी साड़ी चुन्नी, जींस और टी-शर्ट श्रेणी थी। महाविद्यालय में प्रति वर्ष गृहविज्ञान विभाग द्वारा छात्राओं द्वारा बनाई गयी वस्तुओं की कला-प्रदर्शनी का विशाल आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष कोविड-19 के कारण ऑनलाईन मोड पर इसे प्रतियोगिता के रूप में आयोजित किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि कौशल विकास एवं स्वरोजगार की दिशा में इस तरह के आयोजन बेहतर परिणाम देते है। पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों के हुनर को प्रोत्साहित करना आज के समय की महती आवश्यकता है।

इस स्पर्धा में विजेताओं की घोषणा की गई जिसमें पुरानी साड़ी से निर्मित वस्तुओं में प्रथम स्थान पर शास. इंदुर के ंवट क न्या- महाविद्यालय कांकेर की कु. दुर्गेश्वरी मरकाम एवं कन्या महाविद्यालय दुर्ग की कु. निकिता साहू रही, द्वितीय स्थान पर शास. राधाबाई नवीन कन्या महाविद्यालय रायपुर की कु. आयुषी सोनी तथा निधि यादव (कन्या महाविद्यालय, दुर्ग) एवं सोनम सेन (कन्या महाविद्यालय, दुर्ग) रही।

द्वितीय केटेगरी मे पुरानी जींस से बनी सामग्री में प्रथम स्थान खुश्बू साहू शास. डी.बी. गर्ल्स कॉलेज रायपुर तथा द्वितीय स्थान पर इसी महाविद्यालय की कु. रूपाली देवांगन रही। पुरानी टी-शर्ट केटेगरी में शिवकली मिरी, कन्या महाविद्यालय, दुर्ग प्रथम तथा शास. नेहरू पीजी महाविद्यालय, डोंगरगढ़ की कु. शुभांगी द्वितीय स्थान पर रही।

इस स्पर्धा में एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब अहमदाबाद की कु. धारवी मेहता कन्या पॉलिटेक्निक महाविद्यालय अहमदाबाद को विशेष पुरस्कार दिया गया।

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि बड़ी संख्या में छात्राओं ने भागीदारी की। प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर गृहविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने बधाई दी है।

छत पर खेती में रोजगार के अवसर

शासकीय डा. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग द्वारा ''न्यू ट्रेंड्ज फॉर कैरीअर : रूफ टॉप ऑर्गानिक फॉर्मिंग'' (छत पर खेती में रोजगार के अवसर) पर वेबीनार का आयोजन किया गया।

प्रभारी डॉ. रेश्मा लाकेश ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य युवाओं को छत पर खेती करने हेतु जागरुक एवं प्रेरित करना है। कोविड-19 के कारण युवा उपलब्ध साधनों एवं घर से ही कार्य एवं व्यवसाय कर सकते हे और औषधीय पौधे, जड़ी-बूटियाँ, मसाले, फूल, घरेलू पौधे, फल-सब्जियों का क्रय - विक्रय एवं गार्डन कन्सल्टेंट एवं डिजाइनर भी बन सकते है।

प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा की वेबीनार की श्रृंखला हमारे स्वास्थ्य पर केंद्रित है, जिसमें शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य शामिल है। फल-सब्जियों में प्रयुक्त रसायन स्लो पाईजन का कार्य करते है, छत पर खेती से ना सिर्फ सुरक्षित ऑर्गैनिक फल-सब्जियाँ प्राप्त होती, साथ ही ये समय का उचित उपयोग एवं सुकून प्रदान करता है।

प्रमुख वक्ता श्री प्रतीक तिवारी सी.ई.ओ. लिविंग ग्रीन्स, जयपुर ने बताया की शहर के घरों की खाली पड़ी छतों पर ऑर्गेनिक फॉर्मिंग करके लोगों की सब्जियों की अवश्यकता को पूरा कर सकते हैं एवं युवा ना सिर्फ अपनी व्यक्तिगत उपयोग हेतु अपितु व्यवसाय के रूप में इसे अपना सकते हैं, जिसके लिए उचित प्रशिक्षण भी उपलब्ध है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया ।

छत पर खेती की उन्नत तकनीक एवं नवाचार तरीकों पर चर्चा करने हेतु आयोजित इस वेबीनार में छात्र- छात्राएँ, प्राध्यापक, गृहणियाँ, बिल्डर्ज आदि शामिल हुए।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती ज्योति भरणे ने आभार प्रदर्शित किया।

ऑनलाईन गरबा स्पर्धा आयोजित

महाविद्यालय में प्रतिवर्ष नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में गरबा नृत्य कार्यक्रम ''देशी डे'' का आयोजन किया जाता है।

इस वर्ष यह कार्यक्रम ऑनलाईन एकल गरबा नृत्य स्पर्धा के रूप में आयोजित किया गया। महाविद्यालय के नृत्य विभाग के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने की।

मुख्यअतिथि श्रीमती मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर को युवा पीढ़ी तक पहुँचाना और संरक्षित रखना हमारा कर्त्तव्य है। इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों का आत्मबल बढ़ाने में सहायक होते है।

प्राचार्य डॉ. तिवारी ने आयोजन की प्रसंशा करते हुए कहा कि गरबा स्पर्धा एवं माटी शिल्प कार्यशाला महाविद्यालय की पहचान बन गयी है। हर संकाय की छात्राएँ इसमें बड़ी संख्या में उत्साह से भाग लेती है जो शैक्षणेत्तर गतिविधियों की सफलता को इंगित करता है। डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और छात्राओं के उत्साह को बढ़ाना इन आयोजनों की वास्तविकता है।

संयोजक डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि ऑनलाईन प्लेटफार्म पर आयोजित इस स्पर्धा से बहुत से लोगों को इससे जुड़ने का अवसर मिला है। बड़ी संख्या में छात्राओं की सहभागिता से निर्णायकों को चुनाव करने में अच्छी खासी मेहनत करनी पड़ी। इस स्पर्धा में कोरोना के संदेश को भी शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम का विशेषता थी कि ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के अन्तर्गत महाविद्यालय के जोड़ीदार राज्य गुजरात के शासकीय महिला पॉलिटेक्नीक, अहमदाबाद (गुजरात) की छात्राओं ने अपनी विशेष प्रस्तुति दी।

प्रतियोगिता में प्रथम कु. शारदा यादव, द्वितीय कु. प्रियंका चांदवानी एवं तृतीय कु. अपूर्वा दीक्षित रहीं। वहीं कोरोना संदेश गरबा के माध्यम से देने के लिए विशेष पुरस्कार कु. विभा कसेर को दिया गया।

सांत्वना पुरस्कार में कु. काजल, कु. निकिता, कु. प्रियंका, कु. विजयलक्ष्मी, कु. शिवानी तापड़िया का चयन किया गया। सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र दिया गया। आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि छात्राओं में ऊर्जा और प्रतिभा को उभारने यह प्रयास सराहनीय रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्राध्यापक, छात्राएँ जुड़ी।

राष्ट्रीय पोषण माह में प्रतियोगिताएँ आयोजित

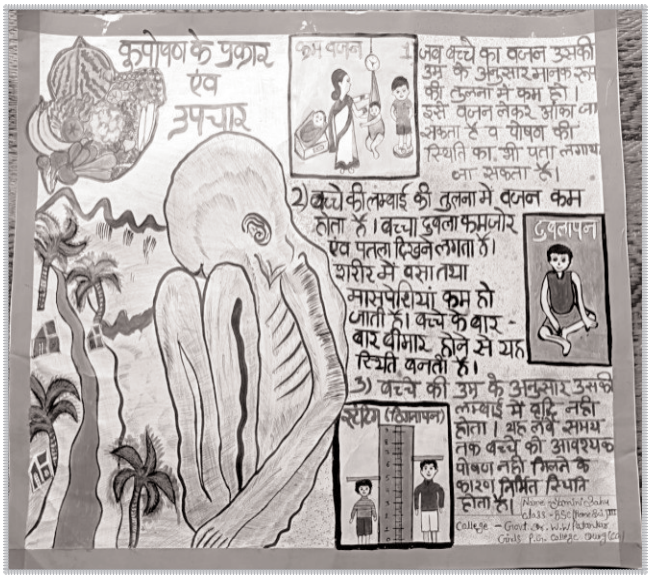

महाविद्यालर्य द्वारा सितंबर माह को पोषण माह के रूप में मनाया गया। वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सभी प्रतियोगितायें डिजिटल ऑनलाईन रखी गई। राष्ट्रीय पोषण माह 2020 मुख्य रूप से ''गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान'' एवं ''पोषण के लिये पौधे'' अभियान पर केंद्रित रखा गया है। गृहविज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने बताया कि महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा इन विषयों को केन्द्र में रखकर - गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान पर पोस्टर प्रतियोगिता रखी गई जिसे फोटो के माध्यम से भेजा गया। वहीं पोषण के लिए पौधे विषय पर अपने घर पर पोषक तत्व से भरपूर सब्जी या फल का पौधा लगाते हुए उसे वीडियो के माध्यम से संप्रेषित किया जाना था। अंतर्महाविद्यालयीन स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता हेतु छात्राओं में बहुत उत्साह दिखाई पड़ा और लगभग 60 छात्र-छात्राओं ने इसमें भाग लिया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम कु. यामिनी साहू (बी.एससी. गृहविज्ञान भाग-1) शास. डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर - महाविद्यालय, दुर्ग, द्वितीय - श्री वेदप्रकाश (बी.एससी. बायो भाग-1) शासकीय महाविद्यालय बेलौदी एवं कु. पूर्णिमा (बी.एससी. बायो-2) तृतीय मेनका साहू (बी.एससी.भाग-2) शास. डॉ. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग रहीं। वहीं कु. धनेश्वरी (बी.एससी. गृहविज्ञान-2) कन्या महाविद्यालय दुर्ग को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

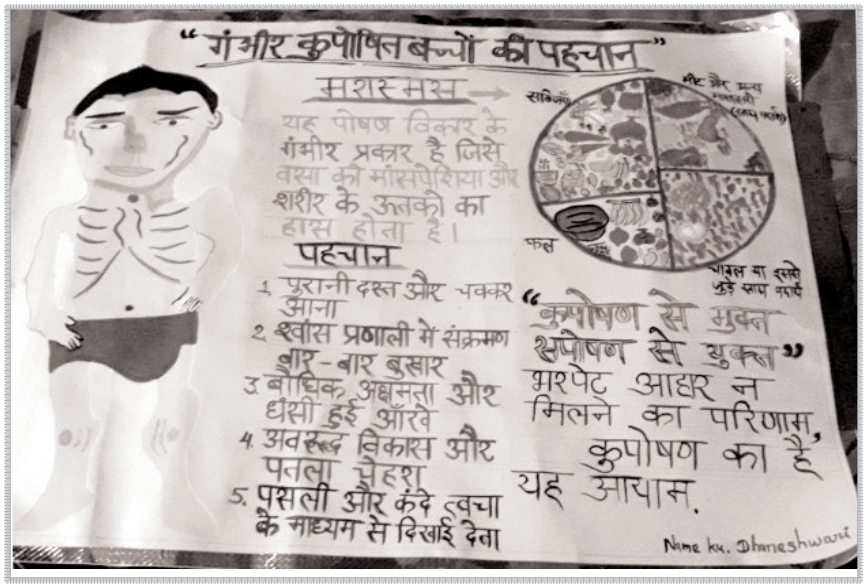

पोषक पौधारोपण वीडियो प्रतियोगिता में (एम.एससी गृहविज्ञान-2 सेमे.) की छात्रा कु. प्रतीक्षा तुवानी (कन्या महाविद्यालय, दुर्ग) एवं तनु जाल (एम.एससी गृहविज्ञान-2 सेमे.) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर रही (एम.एससी गृहविज्ञान-4 सेमे.) की छात्रा कु. अनिंदिता बिश्वास। तृतीय स्थान पर दो छात्रायें भारती बघेल (बी.एससी गृहविज्ञान-2) एवं सीमा यादव (बी.एससी गृहविज्ञान-2) कन्या महाविद्यालय दुर्ग रहीं। वहीं कु. तेजस्विनी एम.-2 सेम. गृहविज्ञान और ज्योति यादव (बी.एससी. गृहविज्ञान भाग-2) को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि मानव शरीर को स्वस्थ बनाये रखने में पोषक तत्व अति महत्वपूर्ण है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं में भी जागरूकता आयेगी। मुझे बेहद खुशी है कि इस विषम परिस्थिति के समय भी छात्राओं ने उत्साहपूर्वक इसमें हिस्सा लिया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने बाजी मारी

कु. आरती यादव

छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण काउंसिल के तत्वाधान में रेड रिबन क्लब छत्तीसगढ़ इकाई के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 'यूथ एंगेजमेन्ट फॉर ग्लोबल एक्शन' के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। कोविड के कारण वर्चुअल प्रतियोगिताएँ करायी गयी। जिसमें प्रदेश के 243 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता दी।

यूथ रेडक्रॉस इकाई की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि चार श्रेणी में ये प्रतियोगिताएँ हुई जिसमें मॉस्क डिजाईनिंग, पेंटिंग, शार्ट विडियो एवं एनीमेशन से संबंधित थी।

गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

मॉस्क डिजाईनिंग में बी.एससी. गृहविज्ञान की कु. आरती यादव ने तथा एनीमेशन से संबंधित प्रतियोगिता में बी.एससी. भाग-2 की निकिता साहू ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

दोनों छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने तथा प्राध्यापकों ने बधाई दी है। रेडरिबन की गतिविधियों में उल्लेखनीय भूमिका के लिए गर्ल्स कॉलेज इकाई को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जा चुका है।

कु. आरती साहू

पोषण माह में ऑनलाईन प्रतियोगितायें आयोजित

''पोषण के लिये पौधे'' अभियान

महाविद्यालय की स्नातकोत्तर गृहविज्ञान विभाग के तत्वाधान में सितम्बर माह में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिये विभिन्न ऑनलाईन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी है। विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने जानकारी देते हुए बताया कि पोषण माह के अवसर पर ऑनलाईन पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई है। जिसका विषय ''गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान'' रखा गया है। इस विषय पर पोस्टर बनाकर उसकी फोटो भेजना है।

इसके अतिरिक्त ''पोषण के लिये पौधे'' अभियान भी प्रारम्भ किया गया है। जिसमें विद्यार्थियों को अपने घर पर किसी सब्जी या फल का पौधा लगाना है। जैसे- अमरूद, जामुन, आंवला, तुलसी, मुनगा, पालक, टमाटर, मिर्चि, मीठानीम इत्यादि तथा इन पौधों से प्राप्त होने वाले पोषक तत्वों की जानकारी देते हुए 01 मिनट का विडियो भी व्हाट्सप नम्बर पर भेजना है।

डॉ. सहगल ने बताया कि महाविद्यालय की वेबसाईट में पूरी जानकारी दी गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 09 सितम्बर है तथा प्रवेश निःशुल्क रखा गया है।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण माह का प्रमुख उद्देश्य गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान तथा उनकी उत्तरजीविता में सुधार हेतु उपयुक्त आहार दिया जाना इसका उद्देश्य है साथ ही पौष्टि सब्जियाँ एवं फलदार पौधों का रोपण करने हेतु अभियान चलाया जा रहा है। महाविद्यालय के द्वारा भी जन-जागरूकता के लिये विभिन्न आयोजन किये जा रहे है।

महाविद्यालय में प्रसिद्ध 'टाईटन-आईप्लस' द्वारा महाविद्यालय में नेत्र परीक्षण कैंप आयोजित किया गया।

स्नातकोत्तर वाणिज्य परिषद के तत्वाधान में आयोजित इस कैम्प में प्राध्यापकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण आधुनिकतम मशीनों के माध्यम से कर चश्में का नंबर दिया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल जैन ने बताया कि टाईटन कंपनी अपने उत्पादों के लिए तो प्रसिद्ध है ही सामाजिक सारोकार के तहत नेत्र परीक्षण कर उचित मार्गदर्शन देने विशेषज्ञों के

द्वारा इस तरह के कैम्प आयोजित किए जाते है। कंपनी के श्री गौरव जैन एवं उनकी टीम ने बताया कि उचित नंबर के चश्में का उपयोग तथा समय-समय पर नंबर का परीक्षण करा लेना उचित रहता है। बिना परीक्षण एवं जांच कराए लगातार चश्में का उपयोग करने के दुष्परिणाम हो सकते है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि कम्प्यूटर एवं मोबाईल के लगातार उपयोग से आंखों पर इसका प्रभाव स्पष्ट परीलक्षित हो रहा है। यदि सावधानी पूर्वक तथा आवश्यकतानुसार ही उपयोग पर ध्यान देवें तो आंखों की विभिन्न समस्याओं से बच सकते है।

महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भी समय-समय पर स्वास्थ्य के प्रति विभिन्न आयोजनों के माध्यम से मिले मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया।

ऑनलाईन काउन्सलिंग आयोजित

विद्यार्थियों के कॅरियर का महत्वूपर्ण दौर है : डॉ. शमा हमदानी

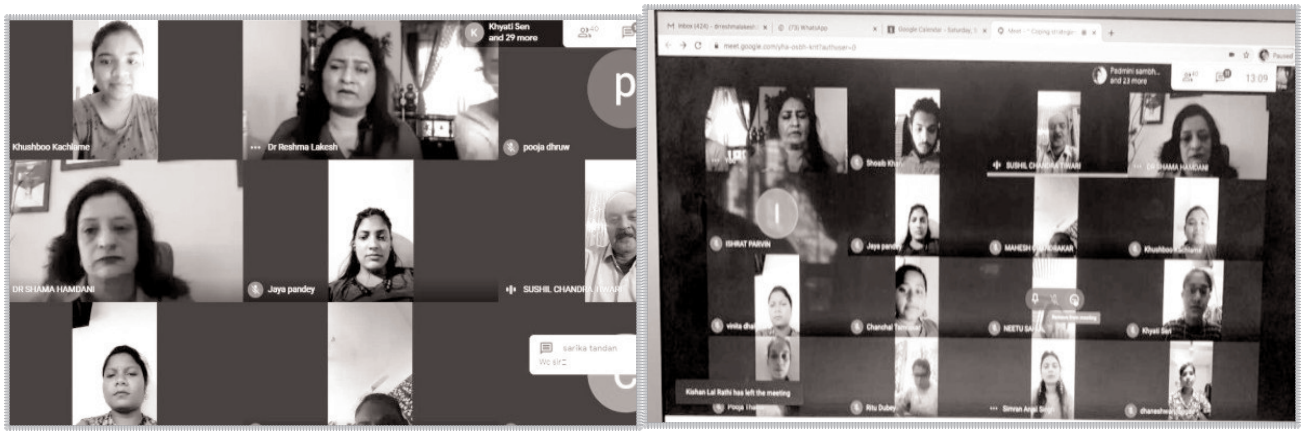

महाविद्यालय के यूथ रेडक्रॉस के तत्वाधान में छात्राओं के लिए ऑनलाईन काउंसिलिंग आयोजित की गयी।

वर्तमान परिस्थितियों में विद्यार्थियों/युवा वर्ग में व्याप्त चिंता, असुरक्षा, निराशा एवं अनिश्चितता को देखते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करने काउंसिलिंग सत्र का आयोजन किया गया।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वैश्विक महामारी के संक्रमण काल में हमारे विद्यार्थियों के बीच जो अनिश्चितता एवं भय का वातावरण बन गया है जिससे उनमें क्रोध एवं चिड़िचिड़ापन आ गया है। जब हम कठिन समय से गुजरते है तो इन समस्याओं से मुकाबला करने के लिए हिम्मत और साहस-धैर्य की आवश्यकता पड़ती है। यदि उचित मार्गदर्शन मिल जाए तो सफलता सुनिश्चित हो जाती है।

इस काउंसिलिंग सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को हिम्मत और साहस के साथ विषम परिस्थितियों का मुकाबला करते हुए अपने परिवार का भी ध्यान रखने को कहा।

विषय-विशेषज्ञ एवं काउंसलर डॉ. शमा हमदानी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के कॅरियर का महत्वपूर्ण दौर है यहाँ निराश नहीं होना है।

उन्होनें विभिन्न समस्याओं के समाधान बताते हुए कहा कि परिवार के साथ समय बिताये तथा अपनी समस्याओं को शेयर करें।

अपने मानसिक स्वास्थ्य को उचित महत्व दें। यदि आवश्यक हो तो काउंसलर या अपने शिक्षक से अपनी समस्याओं को सांझा करे और मार्गदर्शन ले। महाविद्यालय की छात्रा पायल साहू ने ऑनलाईन कक्षाओं को लेकर अपनी चिंता बताई। बी.एस.सी. की छात्रा आरती यादव ने परीक्षा से संबंधित प्रश्न किए। जया पाण्डेय ने काउंसलर से पूछा कि घर पर रहकर समय का सार्थक उपयोग कैसे करें।

अधिकांश छात्राओं ने कहा सबसे बड़ी समस्या घर इतने लंबे समय से रहने पर बोर लगता है इसके समाधान में एक्सपर्ट ने अनेक रूचिकर उपाय बताए। इस काउंसिलिंग सत्र में अभिभावकों ने भी भगीदारी की।

अधिवक्ता शकील सिद्दकी ने इस सत्र के लिए बधाई देते हुए इसे महत्वपूर्ण बताया। उन्होनें कहा कि हम सभी अपने बच्चों को लेकर चिंतित है। उनके कॅरियर की चिंता हमें भी परेशान करती है। काउंसलर ने उन्होनें धैर्य और साहस के साथ अपने एवं बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जागरूक रहने की सलाह दी एवं टिप्स दिए।

डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारियों एवं मार्गदर्शन से संबंधित विडियो एवं जानकारी महाविद्यालय की वेबसाईट में भी उपलब्ध करायी गयी है। महाविद्यालय द्वारा नियमित रूप से विभिन्न ऑनलाईन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जा रही है। काउंसिलिंग सत्र में महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी हिस्सा लिया।

वर्चुअल शिक्षक दिवस समारोह आयोजित

शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में कोरोना संक्रमण काल की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष वर्चुअल तरीके से शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया।

यूजीसी द्वारा द्वारा इस वर्ष 'शिक्षक हमारे प्रेरणास्त्रोत' और 'भारत के शिक्षक' विषय पर आयोजन करने के निर्देश दिये गये थे। ऑनलाइन आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ दीपक कारकून थे। जिन्होंने कहा कि यह समय धैर्य बनाये रखने का है, हम सभी आवश्यक बचाव करते रहें इस विषम पारिस्थिति में ऑनलाइन शिक्षण के जो प्रयास किये जा रहे वे बेहद सराहनीय हैं। आप सभी इस हेतु बेहतर प्रयास कर रहे हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि ऑनलाईन शिक्षण व्यवस्था के जरिए हमें विद्यार्थियों के कॅरियर के महत्वपूर्ण समय को उपयोगी बनाना है। विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन एवं सलाह की आवश्यकता है। उन्होनें विद्यार्थियों को भी साहस एवं धैर्य के साथ अपने अध्ययन को जारी रखने कहा और वे निराश न हो समय-समय पर अपने शिक्षकों से परामर्श लेते रहें।

वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी. सी. अग्रवाल ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जिक्र करते हुए उनके शिक्षको के प्रति सम्मान को बताया। अपनी बातों को कम शब्दों में कहना उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी और उन्होंने कहा की जिनसे से भी हमने इस जीवन में कुछ सीखा है उनके प्रति धन्यवाद करें।

विज्ञान संकायप्रमुख डॉ. आरती गुप्ता ने कहा गुरुजन ऐसे व्यक्तित्व हैं जिनके शिल्प से मिट्टी रूपी शिष्य एक लाजवाब मूर्ति में बदल जाता है, उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन में घटित एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि किस तरह उन्होंने अपने वरिष्ठ से समय की पाबंदी सीखी। रेड क्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस विशेष दिन पर छात्राओं के लिए काउंसिलिंग सेशन वेबिनार के माध्यम से रखा गया था जिसमे छात्राओं ने कहा वे महाविद्यालय खुलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं हालाँकि वर्तमान परिस्थिति से चिंतित भी है।

रासेयो प्रभारी एवं हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा इस समय ने हमे बहुत कुछ सिखा दिया है आगे भी इस संक्रमण का सामना एकजुटता से करना होगा इसके साथ ही उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋ चा ठाकुर ने किया।

गर्ल्स कॉलेज में जल संरक्षण पर प्रश्नोत्तरी

शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में कोविड-19 लॉकडाऊन काल में अनेक रचनात्मक एवं बुद्धिकौशल पूर्ण कार्य छात्राओं द्वारा कराया गया, जिसके अंतर्गत प्रश्नोत्तरी, एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब का गठन पर्यावरण एवं जल संवर्धन जैसी गतिविधियाँ सम्मिलित है।

इसी तत्वाधान में महाविद्यालय के एक्वा क्लब एवं रसायनशास्त्र विभाग द्वारा जल संरक्षण पर ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई। राष्ट्रीय स्तर की इस ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी में गूगल फॉर्म के माध्यम से 15 प्रश्न पूछे गये।

संयोजक डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि इसमें लगभग 650 अध्यापकों/छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की, जिन्हें ई-सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा इस संक्रमणकाल में इस तरह के ज्ञानवर्धक कार्य लोगों का मनोबल बढ़ाने में सहायक होंगे।

कोविड-19 समीक्षा में गर्ल्स कॉलेज की रूचि शर्मा शामिल

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेवक कु. रूचि शर्मा का चयन 1 जून को होने वाली कोविड-19 समीक्षा मीटिंग में हुआ है।

भारत सरकार ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कोविड-19 में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की जावेगी।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस 'ऑनलाईन मीटिंग' में रूचि शर्मा हेमचंद यादव विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी। भोपाल स्थित राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निर्देशालय के निर्देशक ने इस संबंध में कार्यक्रम की सूचना जारी की है।

रूचि शर्मा ने इसके पूर्व भी राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रमों में सहभागिता दी है। उनका चयन राष्ट्रीय युवा संसंद के लिए भी हुआ था।

इसी तरह हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की स्थावना दिवस

पर आयोजित ऑनलाईन निबंध स्पर्धा ''कोरोना महामारी की चुनौतियों से निपटने में उगा शिक्षा का समग्र प्रयास'' में महाविद्यालय की छात्रा कु. भूमिका तिवारी ने प्रथम पांच प्रतियोगियों में शामिल है।

रूचि एवं भूमिका की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल एवं रासेयो की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े तथा महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी है।

गर्ल्स कॉलेज में पौधरोपण समारोह

'घर-घर में लगाए पौधे'

महाविद्यालय में 'हरियर-दुर्ग' अभियान के अंतर्गत आज वृहद पैमाने पर पौधरोपण अभियान का शुभारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा महाविद्यालय की ग्रीन आर्मी द्वारा संयुक्त रूप से इस अभियान को वर्ष भर चलाने का संकल्प लिया जिसमें पौधरोपण के साथ उनकी रक्षा करने का भी दायित्व लिया।

परिसर में किए पौधरोपण समारोह की मुख्य अतिथि महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा थी।

उन्होनें पौधरोण किया और उपस्थित राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ग्रीन आर्मी की छात्राओं तथा प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'पर्यावरण' की सुरक्षा करना एवं हरियाली का कितना महत्व है यह हम सबने लॉक डाऊन काल में प्रत्यक्ष अनुभव किया है। हमें दुर्ग को हरा-भरा और सुंदर बनाना है यह कार्य जन सहयोग से ही संभव है।

महाविद्यालय के प्राचार्य तथा प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं ने भी पौधे लगाए।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने बताया कि 'वन होम वन ट्री' के अंतर्गत भी हम सभी लोगों ने अपने घरों एवं आसपास में पौधे लगाए है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ग्रीन आर्मी की छात्राओं के साथ उपस्थित थे।

रोजगार मार्गदर्शन कार्यशाला

महाविद्यालय में जिला रोजगार कार्यालय के तत्वाधान में रोजगार मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में जिला रोजगार कार्यालय के उपसंचालक श्री आर.के. कुर्रे ने अपने उद्बोधन में बताया कि सरकारी क्षेत्र में रोजगार के कौन-कौन से अवसर उपलब्ध हैं और इनके लिए आवेदन से लेकर परीक्षा तक कैसे तैयारी की जाती है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए वे क्षेत्र जो सभी परीक्षाओं में कॉमन होते है और बेसिक ज्ञान आवश्यक होता है उसे पहले तैयार कर लिया जाए तो बेहतर रहता है। श्री कुर्रे ने बताया कि रोजगार के साथ ही स्वरोजगार एवं कौशल विकास के क्षेत्र में भी शासन की बहुत सी योजनायें चल रही है। उन्होनें विस्तार से इनकी जानकारी दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि लक्ष्य निर्धारण कर तैयारी प्रारंभ की जावे तथा जिन विषयों में कठिनाई लगती हो उन पर विशेष फोकस करते हुए अभ्यास किया जावे तो सफलता निश्चित मिलती है। सामान्य ज्ञान और सामयिक घटनाक्र म के लिए नियमित रूप से समाचार पत्र को पढ़ने की आदत डालें। कार्यक्रम में उपस्थित विषय-विशेषज्ञ सुब्रत मजूमदार ने भी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिए तथा विभिन्न पदों के लिए निकली विज्ञप्ति की जानकारी देते हुए कहा कि कर्म प्रधान तैयारी होने से ही सफलता मिलती है। पहले अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं और परिश्रम तथा लगन से जुड़ जाए जिससे सफलता मिलेगी।

कार्यक्रम में उपस्थित विषय-विशेषज्ञ चिरंजीव जैन ने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और कॅरियर की महत्वपूर्ण जानकारी दी साथ ही सवालों के जवाब देकर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शांत किया। उन्होनें कहा कि उच्च शिक्षा में प्रवेश के साथ ही अपना टॉरगेट तय कर लेना चाहिए और उसी के अनुरूप तैयारी प्रारंभ की जानी चाहिये। छोटी-छोटी कहानियों के माध्यम से उन्होनें प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिये किये जाने वाले परिश्रम को रेखांकित किया। उक्त कार्यक्रम में बडी संख्या में पीजी की छात्राएं उपस्थित थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 'सभी के लिए समानता' का दिन

महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय के 'वूमेन सेल' के तत्वाधान में आयोजित संगोष्ठी में संचालन करते हुए डॉ. रेशमा लाकेश ने कहा कि 'सभी के लिए समानता पर आधारित यह दिन बदलाव की पहल करने एवं सामान्य महिलाओं के साहस पर जश्न मनाने का दिन है। यह अभियान पूरी नारी शक्ति को समर्पित है और हर आयु, जाति, धर्म के बीच समानता व एकता के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि यह सुखद है कि समाज की सोच बदल रही है। लैंगिक समानता की बजाय पीढ़ी की समानता के लिए पहल हो रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी उच्चशिक्षा में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने कई योजनाएँ प्रारंभ की है। विशेष छात्रवृत्तियाँ, वूमेन स्टडी सेंटर, जेंडर चैम्पियन बनाना, अधिनियम 2015 लागू करना जैसे कदम उठाए हैं। संगोष्ठी में हिस्सा लेते हुए समाजशास्त्र की प्रध्यापक डॉ. मोनिया राकेश ने कहा कि महिला सशक्तिकरण एक व्यापक विषय है जिसका संबंध महिलाओं के लिए सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा एकीकृत सामाजिक विकास से है। सशक्तिकरण का अर्थ उन सामूहिक प्रयासों से जुड़ा है जिनका उद्देश्य समाज को ऐसी दिशा देना है जिसमें महिलाओं की सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित हों और यह सामाजिक व्यवस्था से जुड़ा एक गुणात्मक परिवर्तन है। हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कहा कि महिलाओं को घर पर अपनी भूमिकाओं के साथ-साथ अपने समाज और देश के प्रति जवाबदारी को महसूस करने की आवश्यकता है जो निरंतर प्रयास, लैंगिक समानता और सशक्तिकरण के माध्यम से संभव है। ब्रिघ्रम यंग की एक प्रसिद्ध कहावत है कि ''आप एक आदमी को शिक्षित करते हैं तो केवल एक आदमी को शिक्षित करते है। यदि एक महिला को शिक्षित करते है तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते है।'' इस अवसर पर छात्रसंघ की अध्यक्ष कु. अनिंदिता विश्वास ने कहा कि महिलाएँ किसी भी देश के विकास का मुख्य आधार होती है। वे परिवार एवं समाज के साथ देश की तरक्की में अपना अहम योगदान देती है।

इसके बावजूद भ्रूण हत्या, महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार, शोषण की घटनाएँ चिंताजनक है। राजनीतिशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े कहती है कि राजनीति में महिलाओं की भूमिका बहुत व्यापक है। इन दिनों महिलाओं की राजनीति में बढ़ती सक्रियता व भागीदारी ने यह साबित कर दिया है कि वे किसी भी क्षेत्र में कमतर नहीं है। प्रशासन के बड़े-बड़े पदों पर एवं मंत्रालय में महिलाओं ने अपनी अलग छाप छोड़ी है।

प्रो. श्रीमती ज्योति भरणे ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की हम कितनी भी बात कर लें किन्तु स्त्रयों को उनका उचित हक नहीं मिला है। अपने अधिकार के लिए अभी भी संघर्ष करती आ रही है। रसायनशास्त्र की डॉ. सुनीता गुप्ता ने विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी पर बोलते हुए कहा कि अंतरिक्ष से लेकर सैन्य शक्ति में भी महिलाएँ आगे है। अनुसंधान का क्षेत्र हो या चिकित्सा का क्षेत्र महिलाओं की भागीदारी सार्थक परिणाम ला रही है। कार्यक्रम में प्राध्यापकों ने गीत-कविताओं के माध्यम से भी अपनी सहभागिता दी। ये निर्धारित बैंगनी रंग के परिधान में सभी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर त्रिवेणी सम्मान समारोह

महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर त्रिवेणी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय में वर्ष भर स्वास्थ्य-स्वच्छता और सेवा के लिए समर्पित तीन इकाईयाँ, यूथरेडक्रॉस, ग्रीन आर्मी और एक्वा क्लब के स्वयं सेवकों को उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि यूनिसेफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा जारी निर्देशों, पर्यावरण मंत्रालय एवं वाइल्ड लाइफ से जुड़ी संस्थाओं के जागरूकता अभियानों तथा जल संरक्षण के उपायों पर सत्र भर महाविद्यालय की तीनों इकाईयों ने अभियान चलाया और जमीन स्तर पर कार्यक्रमों का संचालन किया है। ग्रामीण अंचल में जाकर स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरण की मुहिम चलाई गई, जल संरक्षण की दिशा में वैज्ञानिक तथ्यों के साथ जल परीक्षण और मृदा परीक्षण के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए है। आज उन छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए गर्व हो रहा है।

प्रोफेसर रेशमा लाकेश ने विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की महती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होनें कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर सैन्य विज्ञान और औद्योगिक क्रांति में महिलाओं ने वर्चस्व कायम रखा है। महाविद्यालयीन छात्राओं को विज्ञान के क्षेत्र में केवल किताबों और प्रयोगशालाओं तक सीमित न कर हमने त्रिवेणी के माध्यम से आम जन तक जोड़ने का, सीखने का अवसर दिया है।

रसायनशास्त्र की प्राध्यापक डॉ. सुनीता गुप्ता ने जल ही जीवन का महत्व बतलाते हुए कहा कि जल संरक्षण एवं संवर्धन आज विश्व की सबसे बड़ी आवश्यकता है। बूंद-बूंद जल को बचाना और जल का बेहतर उपयोग करना तो आवश्यक है ही बल्कि जल स्त्रोतों को सुरक्षित रखना और उनको प्रदूषण रहित रखना भी हमारी जवाबदारी है।

अर्थशास्त्र की प्राध्यापक एवं ग्रीन आर्मी की संयोजक डॉ. मुक्ता बाखला ने बढ़ते औद्योगिक विस्तार और ऋंकटीकरण की चर्चा करते हुए पौधे लगाने एवं उन्हें बचाने पर जोर दिया। उन्होनें कहा कि सब स्वच्छ एवं शुद्ध पर्यावरण की चाह रखते है। हमें शुद्ध हवा भी चाहिए इसके लिए मोहगे से लेकर शहर-गाँव तक हम पर्यावरण संरक्षण पर सार्थक कार्य करें। इस अवसर पर महाविद्यालय की पूर्व छात्रा निशा भोयर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की सक्रिय छात्रा कु. रूचि शर्मा ने भी विभिन्न विज्ञान परक गतिविधियों की चर्चा करते हुए अपनी योजनाओं की जानकारी दी। सत्र भर उत्कृष्ट कार्य करने वाली छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

आदिशिल्प कार्यशाला का समापन

'प्रतिभाओं को तराशने का माध्यम है कार्यशाला'

महाविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला ''आदिशिल्प'' का समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर शिल्पकला के प्रशिक्षक एवं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया गया।

महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समापन कार्यक्रम में अपने संबोंधन में उन्होनें कहा कि प्रतिभाओं को तराशने का माध्यम इस प्रकार की कार्यशालाएँ होती है। उन्होनें इस कार्यशाला को बहुउपयोगी बतलाते हुए प्रतिवर्ष विभिन्न कलाओं की कार्यशाला आयोजित करने पर जोर दिया।

तीन दिवसीय कार्यशाला पर चर्चा करते हुए संयोजक प्रो. योगेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि इस कार्यशाला में छापाकला, मूर्तिकला, माटीशिल्प, गोदना प्रिंटिंग, तुम्बाकला का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया गया।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों के कला प्रेमी विद्यार्थियों तथा खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय के शोध छात्र-छात्राओं ने इस कार्यशाला का भरपूर लाभ उठाया। सभी आमंत्रित कलाकारों ने सहज और आसान तरीकों से अपनी कला की बारीकियाँ विद्यार्थियों को बतलाई। महाविद्यालय की छात्राओं ने लगातार 5 से 6 घण्टे स्वयं विभिन्न कलाकृतियों का निर्माण किया और पेंटिंग की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आमंत्रित कलाकारों एवं शहर कला प्रेमियों को साधुवाद हेते हुए कहा कि रजा फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से हमें इस तरह के आयोजन का अवसर मिलता है जिससे विद्यार्थियों एवं स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहन व प्रेरणा मिलती है।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के शोधछात्र श्री अम्बरीश मिश्रा ने कार्यशाला की तारीफ करते हुए कहा कि मेरे शोध कार्य के लिए यह मील का पत्थर है। कलाकारों से मिलकर मुझे बहुत सी महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिली जो उत्साहित करने वाली है। शोधछात्र संतोष डेहरे एवं कृष्णा द्विवेदी ने भी कहा कि कार्यशाला में आकर मुझे बहुत सी तकनीकियों का ज्ञान हुआ जो हमारे लिये काफी महत्वपूर्ण है।

गृहविज्ञान की छात्रा कु. तबस्सुम ने भी कहा कि वे माटीशिल्प में रूचि रखती है किन्तु इस कार्यशाला में आकर मुझे वो टिप्स मिले जिससे अब मैं बेहतर कलाकृतियां बना सकती हूँ।

कु. ख्याति देवांगन ने छापाकला की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिमरन नरूला मैडम ने बहुत ही अच्छे से छापा ब्लॉक बनाना सिखाया।

नरेन्द्र पोयाम, सुफियानो बाई, राजेन्द्र सुनगरिया, सियाराम प्रजापति, चिरायु सिनहा, नरेन्द्र साहू ने इस कार्यशाला में लगातार विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया और आयोजन की तारीफ करते हुए आगे भी सहयोग करने की बात कही है।

समापन अवसर पर कलाकारों को स्मृतिचिन्ह भेंट किए गए।

''जानकारी ही कैंसर से बचाव का माध्यम है - डॉ. अर्पण''

महाविद्यालय में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर जागरुकता व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस ईकाई के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में संजीवनी कैंसर हास्पीटल रायपुर के वरिष्ठ कैंसर सर्जन डॉ. अर्पण चतुरमोहता एवं रक्त रोग विशेषज्ञ डॉ. अम्बर गर्ग द्वारा छात्राओं को कैंसर रोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

डॉ. - अर्पण - चतुरमोहता ने बताया की आजकल दिनचर्या में बदलाव के कारण कैंसर रोग बहुत जादा देखने को मिल रहा है। खासकर महिलाओं में स्तन कैंसर के मरीज की संख्या बड़ी है।

जिसका मुख्य कारण मोटापा, आलस्य जीवन, बच्चों को दूध ना पिलाना, बांझपन है।

आज आधुनिक मशीनो की मदद से 80 प्रतिशत स्तन कैंसर में फ्राजन सेक्शन मशीन की सहायता से स्तन बचाया जा सकता है। डॉ. अर्पण ने बताया की जेनेटिक टेस्ट से पता चल सकता है कि मरीज को कीमोथेरेपी की जरुरत है या नही। पेट सीटीस्कैन से देखा जा सकता है कि कैंसर कौन से स्टेज में है और कैसे ईलाज किया जा सकता है।

रक्त रोग विशेषज्ञ डॉ. अम्बरगर्ग ने बताया की ऐनीमिया जनसंधारण में विशेषकर महिलाओं में बहुत अधिक मात्रा में पायी जाती है। खून की कमी के कारण जैसे आयरन विटामीन की कमी रक्त रोगों को जन्मदेती है। उन्होने बताया की ऐनीमिया का बचाव संतुलित भोजन से संभव है। इसके लिये आयरन युक्त भोजन, हरि सब्जिया, केला, अनार, गुड का सेवन करना चाहिए इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा की यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं को आज के इस जानकारी युक्त व्याख्यान से प्राप्त जानकारी से कैंसर रोग के संबंध में जागरुकता के लिये प्रयास किये जाने चाहिये।

जागरुकता ही इस रोग के बचाव का सबसे बड़ा माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रेश्मा लाकेश ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. अनुजा चौहान ने किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, छात्राऐं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की पाठशाला है शिविर : प्रीति मिश्रा

महाविद्यालय के 7 दिवसीय शिविर का ग्राम कोड़िया में समापन हुआ। समापन कार्यक्रम की मुख्यअतिथि महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा थी। उन्होनें अपने उद्बोधन में कहा कि 'आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की सबसे बड़ी पाठशाला यह शिविर है जिससे हमें बहुत सीखने को मिलता है। सेवा कार्य से जुड़ने का सौभाग्य आपको मिला है जो अविस्मरणीय क्षण है।' कार्यक्रअध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि सेवा के ये 7 दिन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक रहते है, इन शिविरों के माध्यम से हम ग्रामीण जन-जीवन से परिचित होते हैं वही वहाँ की समस्याओं से रूबरू होते है। सेवा के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण पर छात्राओं ने जो कार्य किए है वे प्रसंशनीय है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि मेगा हेल्थ कैंप के जरिए स्वास्थ्य परीक्षण तथा 'योग से निरोग' के अभ्यास, पर्यावरण एवंज ल संरक्षण, स्वच्छता पर छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की है। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. विनय शर्मा ने कहा कि इस महाविद्यालय की इकाई अपने उत्कृष्ठ सेवा कार्यों से पहचानी जाती है। छात्राओं की राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता उगेखनीय है। इस अवसर पर छात्राओं ने शिविर के अनुभव बताये।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के प्रबंधक युगेश्वरी साहू एवं प्रबंधक नरेन्द्र देवांगन तथा नितिन ताम्रकार ने मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गयी। छात्राओं ने स्वस्थ्य शिशु से संबंधित सर्वेक्षण कार्य घर-घर जाकर किया तथा शिशु पालन एवं पोषण पर आधारित जानकारियों ग्रामीणों को दी। ग्राम के पेयजल स्त्रोतों, धार्मिक स्थलों में साफ-सफाई की गयी। चेतना महिला मंडल एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिला कमाण्डों के साथ चर्चा में महिला उत्पीड़न एवं कानून पर विशेष जानकारियाँ दी गयी।

शिविर में यूथ रेडक्रॉस, एक्वा क्लब, ग्रीन आर्मी, कस्तूरबा समूह, वूमेन सेल, ओम सत्यम, जनविकास समिति ने सहयोग एवं सहभागिता दी। स्थानीय शाला परिवार के प्रधानपाठक शिक्षकों ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। प्राधानपाठिका श्रीमती रूपा साहू ने रासेयो से जुड़े अपने संस्मरण सुनाए। डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने प्रेरक कहानी के माध्यम से छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि ने छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरित किए। इस अवसर पर डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. के.एल. राठी, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रज्ञा मिश्रा ने किया तथा आभार प्रदर्शन रूचि शर्मा ने किया।

अंतर्महाविद्यालयीन महिला क्रिकेट 'गर्ल्स कॉलेज की टीम विजेता बनी'

महाविद्यालय की महिला क्रिकेट टीम अंतर्महाविद्यालयीन महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के फायनल में लगातार पाँचवी बार पहुँची।

आज राजनांदगाँव के शासकीय कमला देवी महाविद्यालय के मैदान में आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के फायनल मैच में स्वरूपानंद महाविद्यालय, हुडको तथा कन्या महाविद्यालय, दुर्ग के बीच मैच खेला जाना था। किन्तु स्वरूपानंद महाविद्यालय की टीम मैदान में उतरी ही नहीं अंततः निर्णायकों ने कन्या महाविद्यालय दुर्ग की टीम को वाक ओवर दे दिया।

आयोजक महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह बघेल ने पुरस्कार वितरण किया। महाविद्यालय की देवकी ढीमर को बेस्ट प्लेयर ऑफ टुर्नामेन्ट का खिताब मिला। निधि सूर्यवंशी को बेस्ट बैट्समैन का पुरस्कार मिला।

महाविद्यालय की क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि महाविद्यालय की खिलाड़ी छात्राओं ने पूरे टुर्नामेन्ट में बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की टीम का चयन किया जावेगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी तथा क्रीड़ा समिति प्रभारी डॉ. के.एल. राठी, क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बधाई दी है।

विजयी टीम में निम्न छात्रायें शामिल थी- कप्तान - देवकी ढीमर के साथ मेघा देशमुख, पल्लवी वर्मा, हेमा साहू, सोनम, निधि, प्रीति साहू, नंदनी, फातिमा, तृप्ति सेन, निक्कूपाटिल, राजेश्वरी, ललीता, नीलम मांझी तथा रोशनी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक : 'टीम यूथ रेडक्रॉस'

सन् 2017 में शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की 20 छात्राओं को लेकर 'टीम यूथ रेडक्रॉस' का गठन किया गया।

सामाजिक जिम्मेदारी के लिए विभिन्न संगठन एवं व्यक्ति विशेष हमें प्रेरित करते रहते है। मीडिया के जरिए हम इनके अनुकरणीय सद्प्रयासों से परिचित भी होते रहते है।

'सेवा' की कड़ी इसी तरह एक-एक कर जुड़ती जाती है और हम इन पर गर्व करते है। इसी तरह व्हाईट कैप और रेड टी-शर्ट के ड्रेसकोड के साथ चयनित इन छात्राओं को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने रेडक्रॉस के मूल तत्व, 'स्वास्थ्य, सेवा और मित्रता' की शपथ दिलाई और इस टीम की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश को 'स्वच्छ दुर्ग-स्वस्थ दुर्ग' के प्रोजेक्ट पर कार्य करने की जिम्मेदारी दी।

डॉ. रेशमा लाकेश के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में इस टीम में अबतक 200 छात्राएँ जुड़ गयी है। जिसमें यूथ रेडक्रॉस की नियमित छात्राओं के साथ ही भूतपूर्व छात्राएँ भी शामिल है।

अपने मिशन 'स्वच्छ दुर्ग-स्वस्थ दुर्ग' के लिए इन्होनें बच्चों, महिलाओं और वृद्धजन को टारगेट ग्रुप बनाया। क्योंकि इनका मानना है कि इन्हें विशेष ध्यान की आवश्यकता है। जैसे नवजात शिशु, शारीरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर बालक, बालिकाएँ।

सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ी महिलाएँ, स्वास्थ्य की दृष्टि से कमजोर और परिवार से दूर वृद्धजन हैं।

इस टीम ने इन पर कार्य करने के लिए दुर्ग शहर के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की 100 आंगनबाड़ी केन्द्रों, दिव्यांग बच्चों के विशेष स्कूल, वृद्धाश्रम को शामिल किया।

इन आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूल और वृद्धाश्रम से टीम ने 'एमओयू' के माध्यम से जुड़कर इन्हें अपना कार्यस्थल बनाया।

छात्राओं की टीम ने शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से आवश्यक जीवन कौशल, व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा सुरक्षा, पर फोकस किया वहीं संतुलित आहार, योग, व्यायाम, गीत-संगीत-नृत्य, खेलकूद के माध्यम से जुड़कर उनमें उत्साह का संचार किया। उन्होनें समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में सतत् रूप से जाकर बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई और स्वच्छता के लिए प्रशिक्षण पर जोर दिया तो महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के लिए जागरूक रहने, संतुलित आहार लेने तथा कौशल विकास के गुर सिखाए जिससे वे आत्मनिर्भर बन सके।

दिव्यांग बच्चों के साथ रहकर उनके प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन के

लिए गीत-संगीत-नृत्य के माध्यम से सार्थक प्रयास किए।

वृद्धाश्रम में पहुंचकर उनके साथ त्यौहार की खुशियां बांटी तो उनके साथ अनुभव सांझा किए और कहानियाँ भी सुनी।

स्वास्थ्य के लिए तथा स्वच्छता के लिए प्रेरित किया और दिनचर्या को सुव्यवस्थित करने एवं गीत संगीत के माध्यम से प्रफुल्लित रहने की कला पर जोर दिया।

रंगोली और अल्पना के माध्यम से त्योहारों की खुशियाँ भी बांटी।

शहर के झुग्गी बस्तियों तथा ग्रामीण इलाकों में सामाजिक सरोकार के तहत विभिन्न व्यसनों, नशा खोरी, घरेलू हिंसा और अपराधों के प्रति जागरूक करने अभियान चलाया। पोस्टर प्रदर्शनी, फिल्म शो, रैली, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा उन्मुलन, डेंगू के खतरे से बचाव, एड्स मुक्त विश्व, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं विषयों पर मिशन चलाया।

केवल बात ही नहीं प्रयासों की सार्थकता पर 'फीडबैक' के माध्यम से भी जायजा लिया और कार्ययोजना को दुरस्त किया।

इस मिशन की निर्देशक एवं प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश का टीम की छात्राओं के साथ लगाव एवं हाथ से हाथ मिलाकर मेहनत का संदेश ने इस मिशन को बड़ी-बड़ी सफलताएँ दी है।

टीम यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने भी इस मिशन से बहुत कुछ पाया है। सामाजिक सरोकार के तहत अपने दायित्वों का बोध हुआ वहीं उनके अनुभव दिल को छू लेने वाले मर्मस्पर्शी भी रहे है।

नयनदीप विद्या मंदिर और स्नेहसंपदा विद्यालय में छात्राओं ने बच्चों के साथ संगीत-नृत्य, चित्रकला विधा को सांझा किया वहीं अंग्रेजी ज्ञान एवं कौशल विकास के कार्यक्रमों के द्वारा उनके अंदर उमंग और उत्साह का संचार किया जो प्रेरणादायी रहा है।

नियमित छात्राओं के साथ भूतपूर्व छात्राओं ने भी, जो वर्तमान में सेवारत है तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़ी है, भी बिना किसी आर्थिक सहयोग एवं अनुदान के कार्य कर रही है।

अन्तर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर निशा भोयर ने भी टीम को प्रोत्साहित कर सहयोग दिया।

इस 'स्वच्छ दुर्ग-स्वस्थ्य दुर्ग' मिशन को लेकर डॉ. रेशमा लाकेश का कहना है कि यह मिशन निरंतर चलता रहेगा क्योंकि यह श्रृंखला अभी और बड़ी करनी है जिसका विस्तार पूरा संभाग तक हो यह इच्छा है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने टीम यूथ रेडक्रॉस की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि यह गौरवशाली मिशन है जिसने हमारी शिक्षा को सार्थक किया है।

डॉ. निसरीन को डॉ. राधाकृष्णन आवार्ड

डॉ. निसरीन हुसैन शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तार महाविद्यालय, दुर्ग केप्राणीशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष को शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. राधाकृष्णन आवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान ग्लोबल एजुकेशनल आवार्ड 2020 एवं ईएसएन पब्लिकेशन के संयुक्त तत्वाधान में प्रतिवर्ष दिया जाता है।

शिक्षा, शोध और प्रकाशन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए डॉ. निसरीन हुसैन को शोधक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनके शोध पत्रों के प्रकाशन एवं पुस्तकों के लिए चुना गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने एवं प्राध्यापकों ने उनकी इस उपलब्धि पर बधाई है।

डॉ. निसरीन न केवल कुशल प्राध्यापक है बल्कि उनके द्वारा कोविड-19 के विद्यार्थियों के लिए बनाए गए विडियो लेक्चर भी काफी लोकप्रिय है। वे विद्यार्थियों के लिए निरंतर नवाचार के लिए कार्य करती है जिसके लिए उन्हें कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. निसरीन ने अपने कॅरियर कर महत्वपूर्ण सफलताओं का श्रेय अपने पति श्री मुश्ताक हुसैन को दिया है।

महाविद्यालय की डॉ. निसरीन हुसैन को बेस्ट साईंटिस्ट अवार्ड

महाविद्यालय के प्राणिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. निसरीन हुसैन को शोध एवं विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेस्ट साईंटिस्ट 2019 के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें आई.एफ.आर.एफ. द्वारा 11 जुलाई 2020 को आयोजित एकेडेमिक एक्सीलेन्स डिजिटल अवार्ड समारोह में प्रदान किया गया जो कि उच्च शिक्षा एवं शोधक्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य हेतु दिया जाता है।

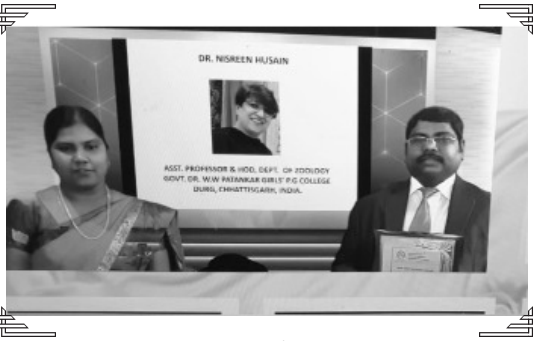

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं समस्त महाविद्यालय परिवार ने उन्हें इस उल्लेखनीय सम्मान हेतु शुभकामनाएँ प्रगट की है। डॉ. निसरीन के इस सम्मान के पीछे उनके लगातार शोध हेतु किये गये अथक परिश्रम किये हैं। उनके लगभग 40 से अधिक शोधपत्र एवं आलेख विभिन्न शोध पत्रिकाओं ने प्रकाशित हो चुके हैं जो कि अन्तर्राष्ट्रीय मानकों पर सिद्ध हैं एवं उनकी 05 पुस्तकों का भी प्रकाशन हो चुका है, जो मूलतः एण्टी-ऑक्सीडेन्ट और मेडिशनल प्लांट पर केन्द्रित है।

डॉ. निसरीन हुसैन अनेक अकादमिक संस्थानों की आजीवन सदस्य है एवं अंतर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं के संपादक मण्डल पर सुशोभित है। इसके अतिरिक्त उन्होनें यूजीसी के माइनर प्रोजेक्ट पर काम किया है एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन भी किया है। अपनी इस सफलता के लिये ईश्वर को नमन को करते हुए उन्होनें डायरेक्टर-आईएमआरएफ, डॉ. डी.बी. रत्नाकर, डॉ. भास्कर रेड्डी, डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव (प्रमुख संपादक, आईजेएसआर) के साथ ही विशेष तौर पर अपने पति जनाब मुस्ताक अहमद एवं परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्राओं ने ''टिंकरिक लैब'' का भ्रमण किया

थ्रीडी प्रिंटर और उपकरणों का प्रशिक्षण लिया

महाविद्यालय में ज्ञान-विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र के तत्वाधान में छात्राओं ने धमतरी के आदर्श शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्याालय स्थित अटल टिंकरिक लैब का भ्रमण किया।

प्रभारी प्राध्यापक डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि छात्राओं ने वहाँ थ्रीडी प्रिंटर के साथ ही विभिन्न उपकरणों की कार्यप्रणाली सीखी।

लैब प्रभारी विजय लक्ष्मी सिंह द्वारा जानकारी दी गयी कि थ्रीडी प्रिंटर मशीन की कौशल विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका है। विभिन्न उत्पादों की डिजाईन तथा आकृति निर्माण में इसका उपयोग किया जा रहा है।

इस अवसर पर शाला की गृहविज्ञान की छात्राओं को डॉ. बबीता दुबे ने विषय के महत्व एवं रोजगार के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होनें पोषक आहार एवं एनीमिया से बचने के उपाय बताए।

शाला के प्राचार्य बी.मैथ्यू एवं प्रभारी डॉ. विजय लक्ष्मी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

महाविद्यालय द्वारा ज्ञान-विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालय, शालाओं एवं कौशल विकास केन्द्रों का भ्रमण छात्राओं को कराया जाता है जिससे वे आधुनिकतम उपकरणों तथा जानकारियों से अपटेड हो सके।

ज्ञान-विस्तार के अंतर्गत महाविद्यालय के विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा स्कूल में जाकर छात्राओं को विभिन्न जानकारियाँ देते है वहीं विभिन्न संस्थाओं के शिक्षकों के महाविद्यालय में सेमीनार आयोजित किए जाते है।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु. अनिंदिता विश्वास ने बताया कि टिकरिक लैब में हमें बहुत से उपकरणों से परिचित होने का अवसर मिला वहीं रोबोटिक प्रणाली तथा कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग के जरिए वस्तुओं के निर्माण की भी जानकारी मिली।

ऑनलाईन स्पर्धाओं के परिणाम घोषित

महाविद्यालय में पुस्तकालय एवं सूचना विभाग के द्वारा अर्न्तमहाविद्यालयीन निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

ग्रंथपाल डॉ. रीता शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन की जयंती के अवसर पर पुस्तकालय एवं सूचनाओं के महत्व पर आधारित निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसके परिणाम रहे - निबंध प्रतियोगिता में कु. छाया सोनी तथा कु. प्रज्ञा मिश्रा एवं ऊषा तारिणी क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान में रही, पोस्टर प्रतियोगिता में कु. वंदना सेंगर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि कु. आकांक्षा ठाकुर एवं स्वाति जैन ने द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाया।

ये प्रतियोगिताएँ ऑनलाईन आयोजित की गयी। सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए गए। विशेष पुरस्कार के तहत डॉ. सारिका टण्डन एवं कु. गोमती मारकण्डे, कु. रूपाली देशमुख का चयन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सभी छात्राओं को बधाई दी है।

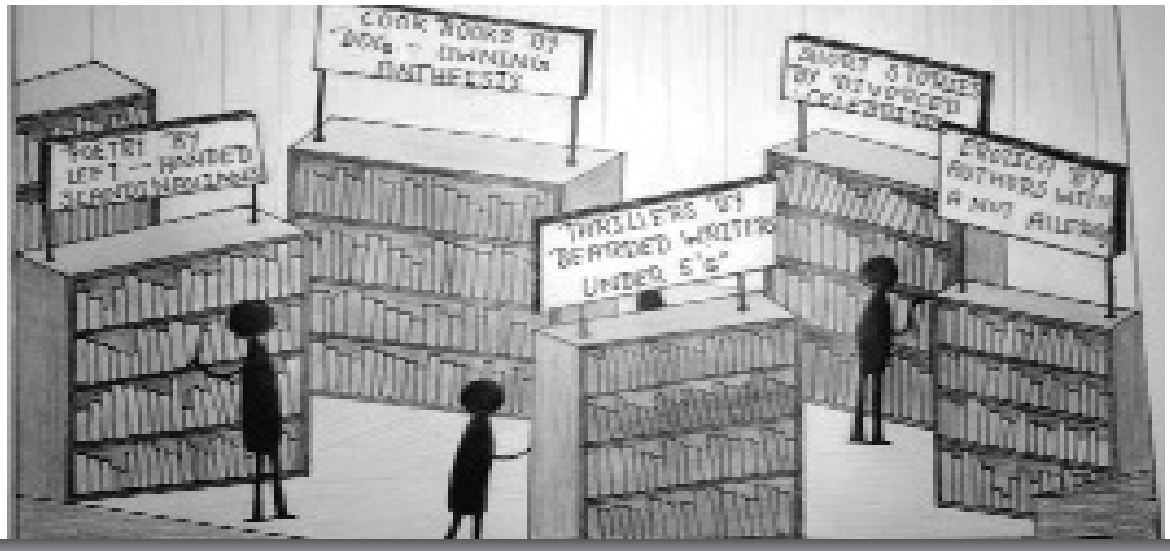

एलुमनी सम्मेलन पुराने साथियों से मिलकर किया धमाल

महाविद्यालय एलुमनी सम्मेलन का आयोजन किया गया। पिछले तीन दशकों की पूर्व छात्राओं ने इसमें उत्साह से भाग लिया। अपनी पुरानी सहेलियों से मिलकर जहाँ उत्साह हुआ वहीं आखें नम भी हो गई। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि प्रतिवर्ष सत्रांत में एलुमिनी संगठन का मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

ये वो पल है जिसमें महाविद्यालय की पूर्व छात्राएँ जो आज नौकरी, व्यवसाय और गृहणी के रूप में समाज के विभिन्न क्षेत्रों तथा शहरों में अपनी प्रतिभा बिखेर रही है। वर्षों बाद महाविद्यालय आकर पुराने सहपाठियों, शिक्षकों तथा स्टॉफ से मिलकर स्मृतियों को ताजा करती है।

कार्यक्रम के आरंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विगत 37 वर्षों की विकासयात्रा में इस महाविद्यालय की छात्राओं की अहम भूमिका रही है।

शिक्षा-ज्ञान, खेलकूद के क्षेत्र में नाम रोशन करने वाली छात्राएँ आज भी महाविद्यालय को गौरवान्वित कर रही है।

महाविद्यालय को एलुमनी संगठन द्वारा हमेशा सहयोग दिया जाता है। विगत वर्षों से छोटी बहन छात्रवृत्ति योजना तथा ब्यूटीशियन एवं कुकिंग, गृहसज्जा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में पूर्व छात्राओं ने विशेष सहयोग दिया है जो अनुकरणीय है।

कार्यक्रम में उपस्थित जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा ने अपने महाविद्यालय में बिताए छात्रजीवन के संस्मरण सांझा किए।

उन्होनें अध्यक्ष के रूप में पूर्व छात्रा होने के नाते अपनी जवाबदारी में कोई कमी नहीं आने की बात कही और महाविद्यालय के विकास में नई योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी दी।

इस अवसर पर महाविद्यालय द्वारा विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त पर छात्राओं को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के शोधकेन्द्र से 1992 में

पी.एचडी. उपाधि प्राप्त प्रथम शोध छात्र डॉ. अशोक सेमसंग का सम्मान किया गया। साहित्य क्षेत्र में उनकी कई पुस्तके प्रकाशित हो चुकी है। उन्होनें अपनी कविता के माध्यम से संस्था का आभार व्यक्त किया।

अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी वेटलिफ्टर निशा भोयर का भी सम्मान किया गया। उन्होनें कई अर्न्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक हासिल कर संस्था को गौरवान्वित किया है।

उन्होनें अपने सम्मान से अभिभूत होकर कहा कि संघर्ष के दौर में कोई साथ दे न दे मेरे शिक्षक हमेशा प्रोत्साहित करते रहे है। लगन व निष्ठा ने मुझे सफलता दिलाई तो वहीं महाविद्यालय से भी मैनें बहुत कुछ सीखा है, प्रेरणा मिली है।

फैशन डिजाईनिंग एवं मॉडलिंग के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुकी तथा इस क्षेत्र में अग्रणी संस्था में प्राचार्य का दायित्व संभालने वाली कु. रिमशा लाकेश को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। उन्होनें भी अपने शिक्षकों एवं सहपाठियों के साथ को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रोत्साहन ही श्रेष्ठता को पाने का मूलमंत्र है।

एलुमनी संगठन के इस कार्यक्रम में 90 पूर्व छात्राओं ने हिस्सा लिया जिसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से आई छात्राओं के साथ नागपूर, भोपाल एवं जबलपुर से भी छात्राओं ने शिरकत की जो प्रसंशनीय है। सभी ने अपने-अपने संस्मरण सुनाए जिन्हें सुनकर कई बार आंखे नम हो गई।

जांजगीर के शासकीय महाविद्यालय में प्राध्यापक डॉ. रेखा कश्यप ने अपने संस्मरण सुनाए तो व्यवसाय के क्षेत्र में सफल कु. अर्पणा ने महाविद्यालय के प्रशिक्षण कार्यक्रमों विशेषकर कौशल विकास के कार्यक्रमों को मील का पत्थर बताया।

कार्यक्रम में नृत्य व गीतों के माध्यम से पूर्व छात्राओं ने धमाल मचाया तो वहीं उनके स्वागत में वर्तमान छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

छत्तीसगढ़ी गीतों पर थिरके तो पुराने गीतों ने तो माहौल को खुशनुमा बना दिया। एक-दूसरे से मिलने, गप्पे मारने और सेल्फी के साथ ही शिक्षकों एवं मित्रों के साथ भोजन करना एक अविस्मरणीय क्षण रहा। सभी ने कहा फिर मिलेंगे और मिलते रहेगें।

कार्यक्रम में डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े, डॉ. मोनिया राकेश ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

छात्राओं ने कौशल विकास केन्द्र का भ्रमण किया

कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कौशल विकास प्रकोष्ठ की छात्राओं द्वारा मिनीमाता पॉलीटेक्नीक कॉलेज राजनांदगांव के कास्ट्यूम

डिजाईन एवं ड्रेस मेकिंग डिपार्टमेन्ट का भ्रमण किया। गृहविज्ञान की प्राध्यापक डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि सीडीडीएम की विभागाध्यक्ष डॉ. मृदुल चौरसिया द्वारा छात्राओं को फिगर स्कैचिंग, नैनर्स वीयर, एससरीज डिजाईनिंग, ज्वेलरी मेकिंग, बेसिक टेक्नीक, कन्सट्रक्शन, टेलरिंग टूल्स एवं उपकरण, हिस्टोरिकल कास्ट्यूम, फेब्रिक आरनामेन्ट टेक्नीक से संबंधित जानकारी दी गयी एवं उनके विषय में विस्तार से बताया गया। विभाग की डॉ. सविता ठाकुर, डॉ. भूमिका एवं रीता पात्रों द्वारा लगाई गई इनफेन्ट क्लोरिंग, चिल्ड्रन गारमेन्ट, मेंस वियर, लेडीज गारमेन्ट, एसेसरीज डिजाईनिंग की प्रदर्शनी को छात्राओं ने देखा। छात्राओं द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनके विषय में विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षकों द्वारा आधुनिक सिलाई मशीनों द्वारा विभिन्न प्रकार की डिजाईन बनाकर प्रशिक्षण दिया गया। भ्रमण के दौरान छात्राओं को समीपस्थ ग्राम तुमड़ीबोड़ के फार्महाऊस में विभिन्न प्रकार के खाद्य उत्पादों को दिखाया गया।

सिटकॉन के पूर्व सीनियर मैनेजर राकेश स्वर्णकार द्वारा छात्राओं को फूड प्रोसेसिंग के संबंध में सविस्तार जानकारी दी गई। इस अवसर पर मिनीमाता पॉलीटेक्नीक कॉलेज राजनांदगांव के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने छात्राओं का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया।

'पतंग महोत्सव' का आयोजन

महाविद्यालय में मकर सक्रांति एवं पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने रंग-बिरंगी पतंगे उड़ायी। उल्लेखनीय है कि 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' योजनांतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के जोड़ीदार गुजरात राज्य की संस्कृति एवं त्यौहारों को साझा करने विभिन्न आयोजन सत्र भर किए जावेगें। मकर सक्रांति पर्व पूरे देश में हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। सूर्य के उत्तरायण होने पर यह पर्व आस्था का प्रतीक है। गुजरात राज्य में इस पर्व पर पतंगे उड़ाना शुभ माना जाता है। नोडल अधिकारी डॉ. ऋचा ठाकुर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने इस पर्व के महत्व को रेखांकित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर छात्राओं को संबंधित करते हुए कहा कि - वे जीवन के हर क्षेत्र में आसमान की ऊँचाई को छुए। वे ही पतंगे आसमान छूने में सफल होती है जब वे बाधा रूपी अन्य पतंगों से भयभीत हुए बिना आगे बढ़ती है। विश्वास और हौसलों की उड़ान ही सफलता दिलाती है। इस कार्यक्रम में जेण्डर चैम्पियन रूचि शर्मा, प्रज्ञा मिश्रा आदि ने सक्रीय भागीदारी की। कार्यक्रम में सभी को तिल के लड्डू वितरित किए गए जो इस पर्व के महत्व को प्रतिपादित करते है। इस अवसर पतंग उड़ाने में छात्राओं का उत्साह देखते बनता था। छात्राओं एवं प्राध्यापकों के साथ कर्मचारियों ने महोत्सव में हिस्सा लिया।

स्कूली बच्चों को सृजनात्मकता का प्रशिक्षण

महाविद्यालय की बी.एससी. गृहविज्ञान छात्राओं ने फाउण्डेशन प्राईमरी स्कूल का भ्रमण किया और वहां के विद्यार्थियों को सृजनात्मक कलाओं के संबंध में प्रशिक्षण दिया। कु. दिपिका, रेशमा द्वारा पेपर कटिंग एवं पेस्टिंग द्वारा विभिन्न आकृतियाँ बनाना सिखाया गया। कु. तेजस्वनी, कु. लोकेश्वरी द्वारा विभिन्न प्रकार के फलों एवं सब्जियों की जानकारी कविता एवं कहानी के माध्यम से दी गई। कु. निधि एवं ललीता द्वारा खिलौनो के माध्यम से अल्फाबेट बनाना सिखाया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों को स्वास्थ्य के संबंधी जानकारी तथा स्वच्छता का महत्व भी बताया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. बबीता दुबे ने बताया कि कु. निकिता एवं महेश्वरी ने विभिन्न जंगली जानवरों तथा पालतु जानवरों के विषय में रोचक जानकारी बच्चों को दी गई। भाषा ज्ञान को बढ़ावा देने कहानी एवं कवितायें सिखायी गयी। उन्होनें बताया कि गृहविज्ञान के क्षेत्र में बाल्यावस्था के संबंध में परियोजना कार्य के अंतर्गत छात्राओं को विभिन्न स्कूलों में प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के साथ गतिविधियों के संचालन हेतु भ्रमण कराया जाता है। बच्चों को सिखायी गयी विभिन्न सृजनात्मक कार्यों का मूल्यांकन भी किया गया। महाविद्यालय के छात्राओं ने उत्साहपूर्वक स्कूली बच्चों के साथ हिस्सा लिया।

होनहार बेटियों का हुआ सम्मान

महाविद्यालय की छात्राओं ने अकादमिक एवं क्रीड़ा के क्षेत्र में नये-नये कीर्तिमान गढ़े है। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में भी महाविद्यालय का वर्चस्व रहा है। खेल के क्षेत्र में 34 छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर सहभागिता दी है। यूथ रेडक्रॉस, ग्रीन आर्मी, एक्वा क्लब के साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता और सेवा के मिशन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की है। इन होनहार बेटियों का सम्मान शहर विधायक श्री अरूण वोरा ने अपने निवास में किया। महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा ने छात्राओं की उपलब्धियों से प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होनें कहा कि छात्राओं के प्रोत्साहन में हमारी समिति कोई कमी नहीं करेगी। मेधावी प्रतिभावान छात्राओं का विधायक श्री अरूण वोरा एवं श्रीमती मंजू वोरा तथा जनभागीदारी की सदस्यों ने सम्मान किया तथा उन्हें पुरस्कार भी दिए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, छात्रसंघ प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. के.एल. राठी एवं डॉ. रेशमा लाकेश के साथ ही जनभागीदारी समिति के सदस्य श्री कमल रूंगटा, श्रीमती अंजू जैन, अंशुल पाण्डेय उपस्थित थे। इस अवसर पर महाविद्यालय के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। छात्रसंघ अध्यक्ष कु. अनिंदिता विश्वास ने छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए विधायक श्री अरूण वोरा तथा जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा का आभार व्यक्त किया है।

विश्वविद्यालय प्रावीण्य सूची में गर्ल्स कॉलेज का वर्चस्व

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के द्वारा सत्र 2018 की प्रावीण्य सूची घोषित करने का क्रम जारी है। विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार विभिन्न परीक्षाओं की प्रावीण्य सूची घोषित की गयी है। महाविद्यालय की छात्राओं ने फिर एक बार अपनी प्रतिभा का परिचय प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर दिया है। बी.कॉम. भाग-3 में कु. श्रद्धा बजाज, बी.ए. भाग-3 में रीना प्रसाद ने स्थान पाया तो वहीं बी.एससी भाग-3 गृहविज्ञान में 5 छात्राओं ने कब्जा किया। कु. देविका, कु. मोनिका, कु. सीमा, कु. गरिमा साहू, मुखलता ने सफलता पायी है। स्नातकोत्तर कक्षाओं में एम.ए. अर्थशास्त्र की परीक्षा में कु. पूर्वा शर्मा ने प्रावीण्य क्रम में प्रथम तथा कु. नेहा साहू ने दसवां स्थान पाया। एम. ए. अंग्रेजी में कु. स्नेहा सोनछत्रा, एम.एससी भौतिकी में कु. नलिनी देवांगन तथ श्वेता चौधरी का कब्जा बना रहा। एम.कॉम. की परीक्षा में कु. तैय्यबा फातीमा ने प्रावीण्य सूची में 7वाँ स्थान पाया। एम.एससी. वनस्पतिशास्त्र में महाविद्यालय की 4 छात्राओं ने स्थान पाया। कु. श्वेता सिंह एवं नेहा यदु को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान मिला तो वहीं कु. मिथलेश एवं कु. दामिन को 8 वाँ एवं 9 वाँ स्थान मिला। छात्राओं की इस सफलता पर महाविद्यालय के प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने तथा जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा ने बधाई दी है।

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श , रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन 0788-2212207 फैक्स 0788 2212207 Email- govtgirlspgcollege@gmail.com , Website : www.govt.girlspgcollegedurg.com